

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत आयुर्वेद जिला चिकित्सालय मंडला में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में चिकित्सालय के चिकित्सकों, समस्त स्टाफ एवं उपस्थित मरीजों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. प्रियंका धुर्वे (एमडी, स्वस्थवृत्त एवं योग) ने उपस्थित जनों को विभिन्न योगासनों का व्यावहारिक अभ्यास कराया तथा उनके वैज्ञानिक महत्व की जानकारी दी। वहीं डॉ. एकता वाल्को (एमडी, संहिता एवं सिद्धांत) ने आयुर्वेद एवं योग के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। योग सत्र के दौरान आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं में उपयोगी आसनों की जानकारी दी गई। स्लिप डिस्क की समस्या में रीढ़ की मजबूती एवं राहत के लिए उपयोगी आसनों, पेट संबंधी रोगों में पाचन तंत्र को बेहतर रखने तथा कब्ज और गैस से राहत के लिए आसनों का अभ्यास कराया गया। इसी प्रकार मधुमेह में रक्त शर्करा के नियंत्रण, मोटापा कम करने एवं शरीर को सक्रिय रखने वाले योगासनो के बारे में बताया गया। इसके अलावा बच्चों में एकाग्रता बढ़ाने एवं शारीरिक विकास के लिए उपयोगी आसनों की जानकारी भी दी गई। चिकित्सालय के समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों से योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की गई। आयोजन से चिकित्सालय के स्टाफ एवं मरीजों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण और रोगों से बचाव के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

संलग्नीकरण के विरोध में पारित आदेशों पर विरोधाभास क्यों?

पहले का संलग्नीकरण वैध बाद का कैसे अवैध

* क्या शिक्षक संघ के कहने पर चल रहा प्रशासन।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

जिले की शिक्षा व्यवस्था को बदहाल करने में संलग्नीकरण ने विशेष भूमिका निभाई है लेकिन क्या कारण है कि शासन के आदेश के बावजूद पिछले 26-27 वर्षों में संलग्नीकरण पर पूर्णतः रोक नहीं लगाई जा सकी है यह तो स्पष्ट है कि संलग्नीकरण उन्हीं शिक्षकों का होता है जो या तो राजनैतिक प्रभुत्व वाले होते हैं या फिर पैसे के दम पर पदाधिकारी या फिर पैसे के दम पर काम कराने वाले और इनका काम भी शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों द्वारा ही संपन्न होता है कहने का आशय कि शिक्षा व्यवस्था को बेपटरी करने में कथित शिक्षक संघों का बहुत



बड़ा हाथ हैं जिनके पदाधिकारी पढ़ाई छोड़कर अन्य सभी कामों में लगे रहते हैं। यदि इन पर नकेल कसी जाये तो शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो सकती है।

जनजातीय कार्य विभाग, जिला मंडला द्वारा संलग्न एवं शैक्षणिक व्यवस्था के तहत कार्यरत शिक्षकों के संबंध में 7 सितंबर 2026 को जारी आदेश क्रमांक 6103 में संशोधन करते हुए 19 सितंबर को नया आदेश जारी किया गया है। संशोधित आदेश में कुछ श्रेणी के शिक्षकों को राहत दिए जाने के बाद विभागीय स्तर पर इसकी प्रक्रिया और समानता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। 7 सितंबर के मूल

आदेश में स्थानांतरण नीति के अतिरिक्त शैक्षणिक अथवा अन्य व्यवस्था के नाम पर मूल पदस्थापना संस्था से हटाकर दूसरी संस्था में कार्यरत किए गए शिक्षकों के संलग्नीकरण एवं व्यवस्था संबंधी आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर सात दिवस में मूल संस्था में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। वहीं 19 सितंबर के संशोधित आदेश में 29 सितंबर 2023 के बाद जिला कलेक्टर के अनुमोदन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मंडला की स्वीकृति के बिना जारी शैक्षणिक व्यवस्था संबंधी कार्यदेश एवं पदस्थापना आदेश निरस्त किए जाने की बात कही गई है। साथ ही 29 सितंबर 2023 से पूर्व से संस्था में कार्यरत ऐसे शिक्षकों को, जिन्हें 7 सितंबर के आदेश के अनुपालन में कार्यमुक्त किया गया है, पूर्व संस्था में यथावत कार्यरत रहने की अनुमति दी गई है।

इसी प्रावधान को लेकर शिक्षकों के बीच सवाल उठ रहा है कि यदि निर्धारित सक्षम स्वीकृति के बिना किए गए संलग्नीकरण विन्यासम्मत नहीं हैं, तो उनकी तिथि के आधार पर अलग-अलग स्थिति क्यों होनी चाहिए। शिक्षकों के एक वर्ग का कहना है कि पूर्व में किए गए ऐसे संलग्नीकरणों की भी जांच होनी चाहिए, जिनमें कलेक्टर अथवा जिला पंचायत सीईओ की स्वीकृति नहीं होने की बात सामने आ रही है। मामले को लेकर यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि 7 सितंबर का मूल आदेश स्पष्ट रूप से संलग्नीकरण समाप्त करने के उद्देश्य से जारी किया गया था, तो महज 12 दिन बाद उसमें संशोधन की आवश्यकता क्यों पड़ी। संशोधन के आधार और इसके पीछे की प्रशासनिक परिस्थितियों को सार्वजनिक किए जाने की मांग भी उठ रही है।

पुराने शासनादेशों में भी संलग्नीकरण समाप्त करने के निर्देश

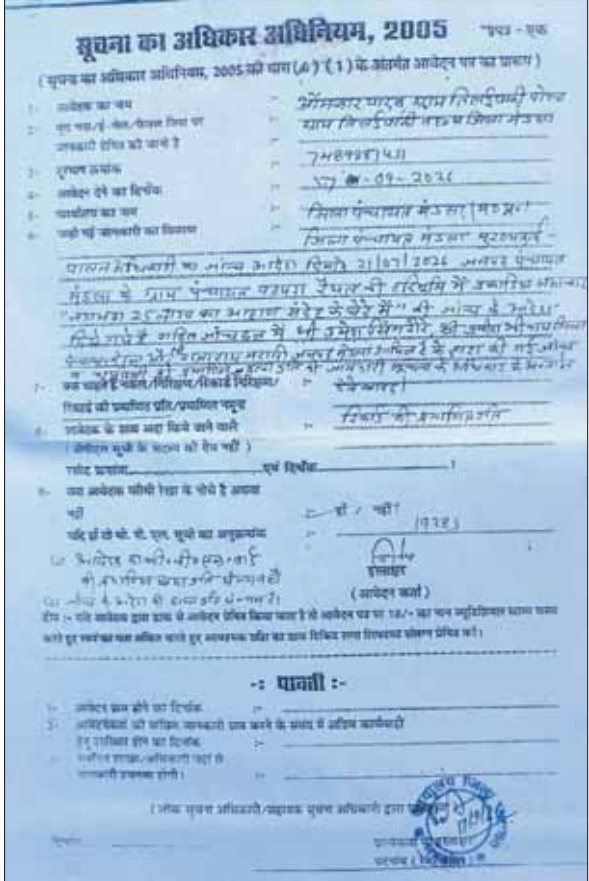
संलग्नीकरण को लेकर मध्यप्रदेश शासन के पुराने निर्देश भी इस मामले को महत्वपूर्ण बनाते हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 10 जुलाई 1998 को जारी आदेश में मूल पदस्थापना स्थल से अत्यन्त कार्यरत अ धि का रि यों - कर्मचारियों का संलग्नीकरण तत्काल

प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश दिए गए थे। आदेश में संलग्नीकरण से प्रशासनिक दक्षता प्रभावित होने का उल्लेख करते हुए सभी विभागों एवं जिला स्तर के अधिकारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया था।

इसी प्रकार सामान्य प्रशासन विभाग के 25 जुन 2013 के आदेश में 18 जनवरी 2000 सहित पूर्व में जारी ज्ञापनों का उल्लेख करते हुए संलग्नीकरण तत्काल समाप्त करने संबंधी निर्देशों और ध्यान आकर्षित किया गया था।

ऐसे में वर्तमान विवाद केवल 29 सितंबर 2023 की कटऑफ तिथि तक सीमित नहीं रह गया है। शिक्षकों के एक वर्ग की मांग है कि पूर्व वर्षों में किए गए संलग्नीकरणों की प्रक्रिया, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति तथा शासन के निर्देशों के अनुपालन की भी निष्पक्ष समीक्षा की जाए, ताकि नियमों के पालन को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सके।

जांच में क्या हुआ यह जानने आरटीआई लगाना पड़ रही



हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

मण्डला जिले का प्रशासन जिले में फल-फूल रहे भ्रष्टाचार के प्रति कितना संवेदनशील है वह इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार के प्रति बार-बार शिकायत होने पर जांच दल तो गठित कर दिया जाता है लेकिन जांच के नाम पर होता कुछ नहीं है।

न तो जांच दल में शामिल अधिकारी पंचायत जाकर जांच करते हैं और न ही उन अधिकारी को कोई मतलब होता है कि उनके द्वारा जांच के आदेश जारी किये जाते हैं पढ़ने में तो आदेश बहुत अच्छे लगते हैं जिनमें यह लिखा होता है कि तीन दिवस के अंदर या सात

दिवस के अंदर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। ये तीन से सात दिन कितनी समय-सीमा में होते हैं यह तो जिले का प्रशासन ही बता पायेगा क्योंकि इन आदेशों के निकलने के से स्पष्ट हो जाता है कि पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार के प्रति बार-बार शिकायत होने पर जांच दल तो गठित कर दिया जाता है लेकिन जांच के नाम पर होता कुछ नहीं है। न तो जांच दल में शामिल अधिकारी पंचायत जाकर जांच करते हैं और न ही उन अधिकारी को कोई मतलब होता है कि उनके द्वारा जांच के आदेश जारी किये जाते हैं पढ़ने में तो आदेश बहुत अच्छे लगते हैं जिनमें यह लिखा होता है कि तीन दिवस के अंदर या सात

युवक की हत्या एवं युवती पर जानलेवा हमले के गंभीर मामले का नैनपुर पुलिस ने किया खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में, थाना नैनपुर एवं चौकी पिण्डरई पुलिस द्वारा युवक की मृत्यु एवं युवती पर जानलेवा हमले के गंभीर प्रकरण का त्वरित खुलासा करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। विवेचना के दौरान पीड़िता बिन्दो बाई कुलस्ते पिता सुनालाल कुलस्ते, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम खिरसारू, चौकी पिण्डरई, के कथनों एवं विवेचना में प्राप्त उपलब्ध तथ्यों से सामने आया कि पीड़िता एवं अभिषेक पिता रज्जन सिंह धुर्वे, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम टाला, जिला सिवनी, आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी बात को लेकर आरोपियों द्वारा आपत्ति जताते हुए युवक एवं युवती के साथ मारपीट की गई। आरोपियों द्वारा दोनों को जान से मारने की नीयत से विद्युत तार से बांधकर करंट लगाया गया तथा दोनों को मृत समझकर घटनास्थल से अन्य स्थान पर खेत में छोड़ दिया गया। घटना में गंभीर रूप से घायल अभिषेक धुर्वे को उपचार हेतु नागपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। अभिषेक की मृत्यु के संबंध में थाना नैनपुर में पूर्व से दर्ज मामा क्रमांक 78/2026 धारा 194 बीएनएसएस की जांच की गई। प्राप्त तथ्यों एवं पीड़िता के कथनों के आधार पर दिनांक 19.09.2026 को थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 444/2026, धारा 103(1), 109(1), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा प्राप्त जानकारी एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा अपराध में संलिप्तता स्वीकार किए जाने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जप्त सामग्री में पुलिस द्वारा अपराध में प्रयुक्त लकड़ी का गेड़ा एवं विद्युत तार जप्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी में चमरालाल उर्फ भूरा मरावी, उम्र 56 वर्ष, निवासी ग्राम खिरसारू। लालसिंह उर्फ नरबद मरावी, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम खिरसारू। सुशील कुमार उर्फ शुक्लू मरावी, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम खिरसारू।



प्रतियोगिता

अंडर-14 स्टेट फुटबॉल चैंपियन मंडला टीम का हुआ जोरदार स्वागत।

फाइनल में मंडला ने भोपाल को 2-0 से हराकर रचा इतिहास

* जिले के खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह।

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला सीहोर में आयोजित अंडर-14 स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंडला जिला फुटबॉल संघ की टीम ने फाइनल मुकाबले में भोपाल को 2-0 गोल से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। चैंपियन बनकर मंडला लौटी टीम का रविवार को बस स्टैंड पर जिला फुटबॉल संघ के



पदाधिकारियों, खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों के अभिभावकों ने जोरदार स्वागत किया।

जिला सीडोर में 6 सितंबर से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया। मंडला टीम ने प्रतियोगिता के दौरान शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार बेहतरीन परिणाम हासिल किए।

जिला फुटबॉल संघ मंडला के सचिव पंकज उसरारे ने बताया कि मंडला टीम में मंडला, मोहगांव एवं नैनपुर क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल थे। पूल चरण में मंडला ने जबलपुर को 4-2, सागर को 6-1 तथा सिरौली को 2-0 से हराकर

अपने पूल में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले में मंडला का सामना छिंदवाड़ा से हुआ, जिसमें मंडला ने 2-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला मंडला और भोपाल के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें मंडला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भोपाल को 2-0 से पराजित कर अंडर-14 स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

चैंपियन बनने के बाद मंडला पहुंची टीम का बस स्टैंड पर जोरदार स्वागत किया गया। जिला फुटबॉल संघ के पदाधिकारी, सदस्य, खेल प्रेमी एवं खिलाड़ियों के अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों को फूल-मालाएं पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वादाई दी। इसके बाद बैंड-बाजे के साथ चैंपियन टीम का स्वागत किया गया , जहां नगर के खेल प्रेमियों ने भी खिलाड़ियों का आत्मीय स्वागत किया। मंडला की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित किया है कि मंडला के युवा खिलाड़ी राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। जिला फुटबॉल संघ द्वारा खिलाड़ियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नाव चालक पर प्राणघातक हमला कर हत्या के मामले का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा संगमघाट निवासी नाव चालक रज्जू नंदा की हत्या के मामले का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 19.09.2026 को थाना महाराजपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि संगमघाट निवासी नाव चालक रज्जू नंदा पर किसी व्यक्ति द्वारा प्राणघातक हमला किया गया है,जिसे जिला अस्पताल मंडला ले जाया गया है। सूचना पर पुलिस तत्काल जिला अस्पताल पहुंची, प्राप्त जानकारी के अनुसार रज्जू नंदा को सिर पर, कान पर एवं नाक पर किसी ठोस वस्तु के मारने से आई गंभीर चोट के कारण मृत्यु होना पाया गया। प्रार्थी अंकित पिता कोमल नंदा, निवासी बूढ़ीमाई की रिपोर्ट पर थाना महाराजपुर में संदेही नंदा नंदा एवं राजेश बैरागी के विरुद्ध बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक मंडला श्री राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव द्वारा टीम गठित कर दोनों संदेहियों की तलाश एवं पतासाजी की गई। दोनों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें पुरानी रंजिश एवं पूर्व विवाद के चलते घटना कारित करना सामने आया। विवेचना में प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 18.09.2026 की रात्रि दोनों ने संगमघाट के पास निर्माणाधीन नए पुल के नीचे पड़ी लोहे की रॉड उठाई और रज्जू नंदा की झोपड़ी में जाकर सो रहे रज्जू नंदा के सिर, मुंह एवं कान पर लोहे की रॉड से प्रहार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड एवं घटना के समय पहने गए कपड़े विधिवत जप्त किए गए। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी में नंदा नंदा पिता खुज्जू नंदा, उम्र 35 वर्ष, राजेश बैरागी पिता राममिलन , उम्र 26 वर्ष दोनों निवासी बूढ़ीमाई वार्ड, संगमघाट, महाराजपुर, जिला मंडला।



सेवा भारती कन्या छात्रावास में रोटरी क्लब मंडला मेकल ने लगाया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मण्डला

रोटरी क्लब मंडला मेकल द्वारा सेवा भारती कन्या छात्रावास में स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। छात्रावास में निवासरत लगभग 65 छात्राओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. श्रुति बाजपेयी, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अर्चना द्विवेदी, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका धावर्डे, जनरल फिजिशियन डॉ. हेमा पाटिल एवं ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. चैतन्य धावर्डे ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने छात्राओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सुझाव दिए। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान कुछ छात्राओं को चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार पैथोलॉजी एवं ब्लड टेस्ट कराने की सलाह दी गई। इन जांचों को रोटरी क्लब मंडला मेकल के माध्यम से करवाया जाएगा, ताकि आर्थिक कारणों से किसी भी छात्रा की आवश्यक स्वास्थ्य जांच प्रभावित न हो। चिकित्सकों के परामर्श के आधार पर आवश्यक



दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान उपलब्ध नहीं हो सकी आवश्यक दवाइयों को भी रोटरी क्लब द्वारा उपलब्ध कराकर संबंधित छात्राओं तक पहुंचाया जाएगा।

शिविर में चिकित्सकों ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, दांत एवं मुख स्वास्थ्य, त्वचा की देखभाल, हड्डियों एवं मांसपेशियों के स्वास्थ्य तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जागरूक किया। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय-समय पर चिकित्सकीय जांच कराने के महत्व को छात्राओं को भी दी गई।

इस अवसर पर रोटरी क्लब मंडला मेकल के अध्यक्ष रोटेरियन दिलीप तिवारी एवं सचिव रोटेरियन अभिषेक बाजपेयी ने कहा कि जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना रोटरी क्लब की सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य

समस्याओं की समय पर पहचान कर उचित उपचार की दिशा में कदम उठाया जा सकता है। शिविर के सफल आयोजन में सेवा भारती परिवार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उनकी व्यवस्थाओं एवं सक्रिय सहभागिता से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर रोटरी क्लब मंडला मेकल के सदस्य रोटेरियन डॉ. विजेंद्र चौरसिया, रोटेरियन इंद्रेश खरया, रोटेरियन गीता कल्पीवार, रोटेरियन राजा शुक्ला, रोटेरियन सुदीप चौरसिया एवं रोटेरियन सुरेश चौधरी उपस्थित रहे और शिविर के संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। रोटरी क्लब मंडला मेकल ने भविष्य में भी जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों के लिए स्वास्थ्य एवं जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

गणेश उत्सव की धूम



नगर के बीटीआई स्कूल के सामने स्थापित गणेश जी की प्रतिमा।



राधा कृष्ण मंदिर के पास स्थापित गणेश प्रतिमा



नगर के राधा बल्लभ वार्ड में स्थापित गणेश प्रतिमा



गणेश मंदिर के पास स्थापित लम्बोंदर की प्रतिमा



यादव मुहल्ला में स्थापित की गई प्रतिमा



नगर के स्टेशन मार्ग पर स्थापित गणेश प्रतिमा।

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा, कल निकलेगी मत्स्य पैदल निशान यात्रा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। हारे का सहारा बनने वाले बाबा श्याम की भव्य पैदल निशान यात्रा कल डमरू घाटी से दोपहर 2 बजे होगा शुभारंभ होगी। पूजन-अर्चना के बाद नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए झांझनखेड़ा पहुंचेगी। धार्मिक आस्था एवं बाबा श्याम के प्रति श्रद्धा से ओत प्रोत भव्य पैदल निशान यात्रा का आयोजन कल 22 सितंबर को किया जाएगा। यात्रा का शुभारंभ दोपहर 2 बजे डमरू घाटी से होगा। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डमरू घाटी में विधि-विधान एवं पूजन-अर्चना के

आज शिक्षा मंत्री नगर के एनपीएस स्कूल सहित चीचली में सेवा चित्र प्रदर्शनी मे होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आज 21 सितंबर दिन सोमवार को प्रदेश के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत चित्रकला प्रदर्शनी कार्यक्रमों मे शामिल होंगे। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार वही दोपहर 12 बजे गाडरवारा के एनपीएस स्कूल एवं 1 बजे चीचली के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मे चित्रकला प्रदर्शनी के कार्यक्रमों मे शामिल होंगे।

नगर में भारी वाहनों पर निर्धारित समय के लिये लागू की जावे नो एन्ट्री

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जहां एक ओर साईंखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है। मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलावे की ओर किसी भी प्रकार की पहल नहीं होना जहां क्षेत्र में लगातार ओ रहे विकास के कार्यों पर प्रश्न विवह लगते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी भी इस समस्या के चलते खतरे से खाली दिखाई नहीं दे रही है। क्योंकि इस समस्या के बीच गरीब लोगों को मौत के मुख में बैठकर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए मजबूर देखा जा रहा है? बताया जाता है कि नगर के बाीयों बीच से निकला हुआ प्रदेश की राजधानी से जुड़ने वाले स्टेट स्तर के मार्ग पर जिस प्रकार से दिन भर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी लगी रहती है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा साईंखेड़ा में वायुपास मार्ग की मांग की जा रही है। मगर इस ओर किसी भी जिम्मेदार द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने के कारण जहां आम लोगों के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है? इस प्रकार से नगर के मुख्य मार्ग से निकलने वाले भारी भरकम वाहनों की आवाजाही को लेकर नगर के लोगों द्वारा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक तथा शाम 3 बजे से 5 बजे तक तथा बाजार के दिन दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग की जा रही है, लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इस प्रकार की व्यवस्थाओं के चलते उदासीनता बरती गई तो निश्चित ही किसी दिन साईंखेड़ा बाजार में कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना को नजर अंदाज करना मुश्किल साबित हो सकता है?

निर्मल ग्राम पंचायत सड़कों को देखकर यह प्रतीत हो रहा है कि शायद पंचायत द्वारा मछली पालन की तैयारियों में तो नहीं है...?

हरिभूमि न्यूज/दालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा पंचायतों के विकास को लेकर मनमानी राशि प्रदान करते हुये पंचायतों के विकास का सपना देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जिन पंचायतों को निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा प्रदान किया गया है उन पंचायतों को स्वच्छता के नाम पर अतिरिक्त राशि प्रदान की जा रही है। मगर इसके बाद निर्मल घोषित पंचायतों की सच्चाई देखते हुये यह सवाल खड़ा होने से नहीं चूक पाता है कि अधिकारकर इन पंचायतों को अधिकारियों द्वारा किन मापदंडों के आधार पर निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा प्रदान किया गया है.? वही दूसरी ओर बीते हुये साढ़े चार साल के कार्यकाल के दौरान पंचायत विकास के नाम पर जो राशि प्रदान की गई है उसका कहां उपयोग किया गया है। यदि निष्ठा के साथ जांच हो जाती है तो निर्मल ग्राम पंचायत पर मलाई खाने वाले पंचायतों के जन प्रतिनिधियों से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों की पोल खुलने में कोई कसर बाकी नहीं रहेगी.? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली निर्मल घोषित अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है। देखने के लिये तो इन ग्राम पंचायत को निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा मिला हुआ है। मगर ग्राम की सड़कों पर फैल रही गंदगी जहां पंचायत के स्वच्छता अभियान की पोल खोलते हुये देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर सड़कों के बीच भरा हुआ पानी इस बात की ओर संकेत देते हुये जान पड़ रहा है कि कहीं ऐसा तो नहीं अब पंचायत द्वारा सड़क पर ही मछली पालन करने की तैयारियों की जा रही है..? निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा पाने वाली ग्राम पंचायतों की सड़कों के ऊपर फैल रही गंदगी सहित पानी के चलते जहां स्कूली बच्चों का आना जाना मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर गंदी पालन करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है.? इस तरह गांव की सड़कों पर भी हुई कौचड़ के बीच जहां आम लोगों सहित स्कूली बच्चों का निकलना मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर कौचड़ व सड़क पर ऊंग रही घास इस बात को प्रमाणित करते हुये प्रतीत हो रही है कि बीते लम्बे समय से साफ सफाई नहीं हुई है। इतना ही नहीं ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा अन्य योजनाओं से आम आम लोगों को लाभ पहुंचाने में जितने तरह की कार्य प्रणाली अपनाई जा रही है उसके चलते केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन हिरोषी योजनाओं से भी आमजन वंचित होते हुये दिखाई दे रहे है..? इस तरह क्षेत्र की पंचायतों में फैल रही गंदगी जहां सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को गंवल लग रहा है तो दूसरी ओर निर्मल ग्राम की उपथाी पर भी प्रश्न विवह खड़े होने से नहीं चूक पा रहे है।



नगर की सड़कों पर आवारा चौपायों की धमाचौकड़ी से स्कूली बच्चों सहित वाहन चालक परेशान, कुत्तों की फौज के चलते लोगों को अपने घरों से निकलना हुआ मुश्किल...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।



इसकी वजह यह होती है कि इन आवारा चौपायों को विपरीत मौसम में छिपने छिपाने के स्थानों का अभाव होता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि चल रहे बारिश के मौसम के बीच बारिश होने के दौरान यह पशु कामपलेख या फिर पेड़ों के पास पहुंच जाते है और बारिश बंद होते हुये सड़कों पर डेरा जमाने के साथ साथ सड़कों के बाीयों बीच क़मर करने हुये आमजन



के लिये खतरा पैदा करने से नहीं चूक रहे है? इस स्थिति के चलते सबसे अधिक परेशानियों का सामना स्कूल छात्र छात्राओं सहित वाहन चालकों को करना है। इस प्रकार से नगर की सड़कों पर अपना सामान्य स्थापित करने वाले इन पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये अनेकों बार मांग की जा चुकी है। परंतु गंवार इन्करी पंचायत किसी की नहीं रहती जो इन समस्या से लोगों को निजात दिलावे का निम्न उपाय करे : यह बात अलग है कि कुछ समय पहले पर नया अध्यक्ष द्वारा आमजन की जिन्दगी को सुरक्षित बनाने के लिये जगमगी और से खरा आदेश जारी करते हुये इन्करी सड़कों से हटाने के उपाय करके बचे थे। इन प्रयासों से इन आवारा पशुओं की सड़कों से हटाने के लिए हाका मो बानेने के साथ वाहन भी खरीदे गये थे जिसके चलते इन पशुओं को सड़कों से हटाने की जिस तरह मुश्किल चलाई गई थी

जिससे आमजन को काफी राहत महसूस हुई थी। मगर अब न तो उस हाका मो का पता चल रहा है और नहीं वह वाहन नज़र आ रहे है जो इन पशुओं को पकड़ते हुये नगर के वाहन छोड़ने के लिये खरीदे गये थे। इसी का परिणाम है कि अब नगर की सड़कों पर इन आवारा पशुओं की हुजूम दिखाई देने लगा है। कैसे भी गौर किया जावे तो इस प्रकार से आवरा पशुओं की बात तो दूर वाहन चालकों के लिए काफी का शोक तो करते है मगर और इसके बाद उन्हें आवारा सड़कों पर घूमने के लिए छोड देते है जो आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा साबित होने से नहीं चूकते है। वही लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका प्रशासन इस ओर ख़त कदम उठाते हुए पशु मालिकों की पहचान कर उनके बिलगफ कार्यवाही करने की शुरूआत कर दे तो निश्चित तौर से इन आवारा पशुओं पर अंकुश लगा सकता है। मगर अभी तक इस प्रकार की कोई ठोस कार्यवाही नहीं होने का परिणाम है कि पशु मालिकों के हमले खुदश है और यही कारण है कि यह समस्या हलेशा खली रहती है। क्योंकि शहर में है आवारा चौपायों की फौज नगर की अधिकांश सड़कों पर डेरा जमाये रहती है, जिससे प्रमुख रूप से देखा

कसर नहीं छोड़ रहे है। कुत्तों की फौज द्वारा भी नगराया जा रहा है आतंक- वही दूसरी ओर नगर की आम जनता आवारा पशुओं के साथ साथ नगर में जहां तक दुर्लभों की संख्या में क़मर करने वाली कुत्तों की फौज से भी परेशान होने से नहीं बचा पा रही है। इस प्रकार से नगर के प्रमुख मार्गों से लेकर कारपोरेशियों व मुहल्लों में घूम रही कुत्तों की फौज के चलते देखा जा रहा है कि नगर की गलियों से लेकर कारपोरेशियों में दर्जन भर से अधिक कुत्तों की यह फौज इन दिनों नगर की सड़कों पर आतंक मचाये हुये है, इनकी धमाकौकड़ी से जहां राहगीरों को परेशानी उठनी पड़ रही है वहीं महिलाये, बच्चे इन्करी अतिक्रम होते हुये देखे जा रहे है, अनेककों बार देखा जाता है कि जब लोग रास्तों से निकलते होते है तो यह कुत्ता उड़ते क़ाक़ने से भी नहीं चूकते है।इस स्थिति में अपने स्कूलों में जाने वाले मासूम बच्चों को रास्तों से निकलने में बहसत की स्थिति निर्मित होकर से नहीं चूक पा रही है। नया उपाय सख्त करना- इस प्रकार से नगर में लगातार बढ़ रहे आवारा पशुओं की धमाकौकड़ी सहित कुत्तों व कुत्तों के आम लोगों द्वारा प्रशासन से अपेक्षे जताते हुये मांग की गई है कि वह उचित क़दम उठाते हुये कोई ठोस कार्यवाही की जावे जिससे आम लोगों में लगातार फैल रही वदहशत से निजात मिल सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती, अटल ज्योति योजना पर खड़े हो रही सवाल?

हरिभूमि न्यूज/गोटीटीरिया। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को 24 घंटे बिजली उलब्ध कराने हेतु बड़ी ही जोर शोर से अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था। मगर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन लगातार कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग परेशान होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार की अटल ज्योति योजना पर लोगों द्वारा सवाल खड़े करते हुए इसे अटक ज्योति योजना का नाम दिये जाने लगा है..? इस संबंध में बताया जाता है कि चीचली नगर सहित सिंहपुर, ओडेगांव, गोटीटीरिया, पुआरिया सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां आम लोग परेशान हो रहे है। वही दूसरी ओर इस समय चल रहे बारिश के मौसम में उमश भरी गर्मी के कारण मौसमी बीमारियों से लोग परेशान हो रहे है तो दूसरी ओर मनमानी कटौती ने रात के समय लोगों को चेन से सोना मुश्किल कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार दिन और रात में की जा रही बिजली कटौती के कारण बच्चों बुर्गुनों के साथ महिलाओं की नींद उड़ गई है इस संबंध में जब विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय एवं पावर हाउस में में बिजली कटौती को लेकर संपर्क किया जाता है तो वहां से एक ही जवाब मिलता है कि लाईन गाडरवारा से बिजली बंद होने के कारण हम कुछ नहीं बता सकते है या फिर कह दिया जाता है कि मनेंटेन्स चल रहा है इस लिए बिजली बंद है?

मन की शुद्धि और लोभ का त्याग ही उत्तम शौच धर्म है-जैन शास्त्री

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जैन समाज के चल रहे परंराज पर्युषण के पांचवें दिन श्री तारण तरण चैत्यालय जी में उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई। इस अवसर पर पूर्ण भक्ति भाव के साथ मन्दिर विधि सम्पन्न की गई। वही कार्यक्रम के दौश्रान पण्डित ओमप्रकाश जैन शास्त्री ने अपने प्रवचन में उत्तम शौच धर्म पर प्रकाश डालते हुये कहा की शौच धर्म का अर्थ केवल बाहरी शारीरिक शुद्धता नहीं होती है। बल्कि मन की शुद्धि और लोभ का त्याग है। लोभ को पापों का मूल बताते हुये कहा की तुष्णा, परिग्रह, और लालच का त्याग कर सन्तोष भाव अपनाने से मन में सच्ची पवित्रता आती है। इस दौरान उन्होंने कहा की लोभ ही सभी पापों की जड़ है। इसलिए लोभ को पाप का बाप कहा जाता है जिसके मन में पूर्ण निस्वार्थ भाव से किये जाने वाला कर्म ही सच्ची भक्त है। उत्तम शौच मानसिक सुख का आधार है जो व्यक्ति संतोषी स्वभाव अपनाता है उसे मानसिक शांति मिलती है। जब मन में लालच और ईर्ष्या कम होती है तब आत्मा का असली निर्मल स्वरूप सामने आता है। उत्तम शौच के बारे में आगे बोलते हुये उन्होंने कहा की अपने जीवन में हमारे पास जो है उसी में संतुष्ट रहना और अधिक चाहिए की तुष्णा की अंतहीन इच्छा को रोकना ही सच्चा शौच धर्म है।पर्युषण पर्व के इस महोत्सव के अवसर पर श्री तारण तरण चैत्यालय जी में रात्रि में बीर श्री महिला मंडल द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।



सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम सिहोरा में किया गया 55 फलदार पौधों का रोपण



हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा/बोहानी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड चांवरपाठा के ग्राम सिहोरा में बीते हुये दिवस कृषि विकास विभाग के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बताया जाता है कि यह पौधरोपण कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार एवं उप संचालक कृषि सुरेंद्र अमरूते के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारियों, ग्रामीणों एवं किसानों ने सहभागिता करते हुए विभिन्न फलदार एवं उपयोगी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इस दौरान प्राकृतिक खेती करने वाले दुधवारा के कृषक कृष्ण कुमार वर्मा तथा विशिष्ट गन्ना उत्पादक कृषक अशोक कुमार वर्मा सहित अन्य कृषकों ने पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान आंवला, बहेरा, सीताफल, नीम, करौदा एवं चंदन सहित विभिन्न प्रजातियों के कुल 55 पौधे रोपे गए। कृषकों एवं ग्रामीणों ने रोपित पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करते हुए उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया।

जनशिक्षा सहित शाला स्तर पर आयोजित की गई मोगली बाल उत्सव प्रतियोगितायें



हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। मोगली बाल उत्सव के अंतर्गत क्षेत्रीय शासकीय स्कूलों मे शाला स्तर पर मोगली बाल उत्सव के तहत निबंध प्रतियोगितायें आयोजित की गई। बताया जाता है कि इन प्रतियोगिताओं मे किन्नर वर्ग (कक्षा 5 से 8 तक) एवं वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक) के छात्र छात्राओं ने मोगली के परिवार, प्रकृति संरक्षण, वन व वन्य जीव संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण, नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा, ओजोन परत का क्षरण, पर्यावरण के प्रति हमारे कर्तव्य सहित आदि अन्य विषयों पर निबंध लिखे गये। बीते हुये शनिवार को शाला स्तर पर चयनित प्रत्येक स्कूल से 2 विद्यार्थियों को जनशिक्षा केंद्र पर बुलाया गया जहाँ उनके लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई। अब 22 सितंबर को विकासखंड स्तर पर मोगली बाल उत्सव की प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। उल्लेखनीय है कि शाला व जनशिक्षा केंद्र स्तरों पर विद्यार्थियों ने बड़े ही उत्साह से निबंध लिखे।



स्वर संक्षेप

धूमधाम से मनाया महर्षि कश्यप ऋषि का प्रकटोत्सव

अनुपूर्व। कश्चिन् सम्राजस्य
अनुपूर्व द्वारा शनिवार को आस्था
होटल में महर्षि कश्यप ऋषि का
प्रकोटस्थ भ्रष्टाचार उत्पत्ति के
साथ मनाया गया। कार्यक्रम में
समाज के पद्धाधिकारियों,
वरिष्ठजनों और महिला मंडल की
सदस्यों ने सहभागिता करते हुए
महर्षि कश्यप ऋषि का स्मरण
गुप्ता। कार्यक्रम समाज के संरक्षक
जगन्नाथ गुप्ता एवं वंशेश्वर गुप्ता,
प्रदेश अध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता,
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामकरण गुप्ता,
प्रदेश महामंत्री हार्दयदत्त गुप्ता,
नंदकिशोर गुप्ता तथा राष्ट्रीय
आजीवन सदस्य जगदीश गुप्ता के
साथिन्ध में हुआ। समाज के
जिलाध्यक्ष सुश्री गुप्ता, महामंत्री
अशोक गुप्ता एवं नगर इकाई
अध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित बड़ी
संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।
महिला मंडल की ओर से श्रीमती
हार्दयदत्त गुप्ता, श्रीमती तुलसी गुप्ता,
श्रीमती अंजना गुप्ता, श्रीमती सुषमा
गुप्ता और श्रीमती प्रेमलता गुप्ता
सहित अन्य महिलाओं ने कार्यक्रम
में सहभागिता की। इस दौरान समाज
की एकजुटता, आपसी सहयोग और
सामाजिक संस्कारों को मजबूत
करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम
का संचालन कुमारी देवीश्री गुप्ता
एवं आराधना गुप्ता ने किया।
समाजन अवसर पर समाज के
संरक्षक जगन्नाथ गुप्ता ने कार्यक्रम
में शामिल सभी समाजजनों का
आभार व्यक्त किया।

स्वस्थ जीवन का संदेश,
तंबाकू से दूरी का संकल्प

अनुपपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत संजयार विधि महाविद्यालय, अनुपपुर में स्वास्थ्य जाँच एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. शिवेन्द्र द्विवेदी, डॉ. अंजली मिश्रा, श्रीमती कल्पना मराठी एवं सुश्री इंद्रवती ने विद्यार्थियों को तैराक मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। विशेषज्ञों ने कुष्ठ रोग, एड्स नियंत्रण, बचाव एवं स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करने तथा स्वयं के साथ समाज के अन्य लोगों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने विद्यार्थियों से स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आह्वान किया।

पुलिस लाइन में स्वास्थ्य
शिबिर, 104 जवानों व
परिजनों की हुई स्वास्थ्य जांच

अनुपपुर। पुलिस जवानों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य को लेकर रविवार को पुलिस लाइन अनुपपुर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास मुराब के निदेशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनार्दन मरकान के मार्गदर्शन एवं सुबोध अम्बरीष साहू के नेतृत्व में आयोजित शिविर में कुल 104 पुलिस जवानों एवं उनके परिवारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनार्दन मरकान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस जवानों एवं उनके परिवारों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारियाँ चुनौतीपूर्ण होती हैं, ऐसे में स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने जवानों के बेहतरीन स्वास्थ्य एवं परिवारिक संतुष्टि का निम्नोद्देश्य के निर्वहन के लिए नवरे से दूर रहने की सलाह भी दी। शिविर में अमृता होस्पिटल शेडौल से पेट्रु विकल्पों के तहत ने पुलिस जवानों एवं उनके परिवारों को स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सक ने नांव के साथ स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों, जीवनशैली और उपचार को लेकर उचित मार्गदर्शन भी दिया।

026

haribhoomi.com

विद्यार्थी। शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) की अनिवार्यता के विरोध में रविवार को आजाद अध्यापक शिक्षक संघ की जिला इकाई और कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले शिक्षकों ने एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन एवं उपवास किया। अजोला मुख्यालय स्थित पोस्ट ऑफिस के समीप आयेला प्रदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने 2010 से पूर्व नियुक्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों को TET से छूट देने की मांग उठाई। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उमेश दीक्षित ने कहा कि प्रदेश के सभी 55 जिलों में संगठन के आह्वान पर एकदिवसीय आंदोलन किया गया है। उन्होंने बताया कि आंदोलन का उद्देश्य 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता का विरोध करने के साथ पुराने संशोधन योजना बहाल करने की मांग को सरकार तक पहुंचाना है। शिक्षकों का कहना है कि कई कर्मचारी 25 से 30 वर्ष तक शासकीय सेवा पूरी कर चुके हैं और अब 50 वर्ष से अधिक आयु में उनके लिए पात्रता परीक्षा की व्यवस्था की जा रही है। उनका

A group of men are standing outdoors, possibly in a park or public square. In the foreground, several men are visible, some wearing light blue shirts. One man on the right is wearing a white cap and has his fist raised. The background shows more people and greenery. The image is watermarked with 'Shot on OnePlus' at the bottom.

[illegible]

**निरीक्षण में खुली स्कूल की व्यवस्था,
जमीन पर बैठकर पढ़ रहे थे विद्यार्थी**



ਡਿੰਡੌਰੀ।

पीएम श्री एकीकृत शासकीय विद्यालय सरवाही में व्यवस्थाओं की हकीकत उस समय सामने आ गई, जब नरीक्षण के दौरान कक्षा छठवीं के विद्यार्थी विद्यालय भवन के बाहर जमीन पर बैठकर पढ़ते मिले। मौके पर पहुंचे बजाग एसडीएम ने विद्यार्थियों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से

जावाब तबल किया-बताया गया कि जिस कक्ष में विद्यार्थियों को कक्षा संचालित होनी थी, उसमें मरम्मत का कार्य पूरा होने के बाद भी उसे उपयोग के लिए नहीं खोला गया था। इसके चलते विद्यार्थियों को बाहर बैठकर पढ़ना पड़ रहा था। स्थिति सामने आने के बाद एसटीएम ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद बंद कक्षा खुलवाकर विद्यार्थियों के लिए अंदर बैठकर पढ़ाई की व्यवस्था कराई गई। निरीक्षण के दौरान एसटीएम ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थी की अन्य व्यवस्थाओं की भी जायज जानकारी एसटीएम ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें। निरीक्षण में सामने आई स्थिति ने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालयों में कांगजी स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ उच्च जमीनी स्तर पर उपयोग और निगरानी भी जरूरी है।

एक साल भी नहीं टिकी सीसी सड़क, उखड़ी परतों ने खोली निर्माण की गुणवत्ता की पोल



अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रम्पुरी के टिकरा टोला में वर्ष 2025-26 में निर्मित सीसी सड़क की लंबाई 226 मीटर की कुल हो समय बाद खराब होने का मामला सामने आया है। सड़क की सतह जगह-जगह उखड़ने के बाद अब स्थिति यह है कि कई हिस्सों में सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक मुख्य मार्ग से टिकरा टोला तक बनाई

गई सीसी सड़क का निर्माण कथित तौर पर करीब 10 लाख रुपये की लागत से कार्यालय गया है। हालांकि, निर्माण स्थल पर सूचना पटल नहीं लगाए जाने के कारण कार्य का स्वीकृत राशि, मद, एंजेंसी और अन्य तकनीकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में ठेकेदारी पद्धति का इस्तेमाल किया गया तथा मजदूरों की अपेक्षा मशीनों का अधिक उपयोग किया गया। यही नहीं बल्कि आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान वाइब्रेटर का समुचित उपयोग

नहीं किया गया, जिसका असर सड़क व गुणवत्ता पर दिखाई दे रहा है। सड़क के पतल तह उखड़ने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप हुआ होता तो इतनी कम अवधि में सड़क की यथास्थिति नहीं बनती। ग्रामीणों ने पंचायत विभिन्न मंजूर से कराए गए कार्यों की जांच करनी की मांग करते हुए आरोप लगाया कि जांच होने पर वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े अन्य मामले भी सामने आ सकेंगे।

काम नहीं होने की शिकायत सामने आती है। रमपुरी ग्राम पंचायत भी इन दिनों इसी तालमेल के मामले को लेकर चर्चा में है। फिलहाल सड़क निर्माण की वास्तविक लागत की स्वीकृत मद, तकनीकी स्वीकृति और निर्माण की गुणवत्ता का परीक्षण संबंधित विभागों, रिकॉर्ड एवं स्थल निरीक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। ग्रामीणों ने सड़क की तकनीकी जांच के साथ पंचायत में कराए गए अंश निर्माण कार्यों की भी भौतिक सत्यापन करने की मांग की है।

जिले के 134 हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में हुई चित्रकला व भाषण प्रतियोगिताएं

शहपुरा ।

सेवा संवर्धन अभियान के तहत जिले के हाइड एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण और विकासित भारत की परिकल्पना से जोड़ने के लिए चरमात्मक गतिविधियां का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के करीब 134 विद्यालयों में 'विकसित भारत की संवर्धना' विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें करीब 750 छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपने चित्रों और विचारों के माध्यम से विकसित भारत को लेकर अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्ति दी। शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नवचार और सामाजिक सहभागिता जैसे विषय प्रस्तुतियों में प्रमुखता से उपभूक्त सामने आए। चित्रों में जहां छात्राओं ने रंगों के जरिए अपने सपनों के भारत की तस्वीर उकेरी, वहीं भाषण प्रतियोगिता में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार रखे गए।



रयपुरा में जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह

शासकाय उच्चतर माध्यामिक विद्यालय खयपुरा में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, उपाध्यक्ष अंजू ब्योहार और

भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू नेताम शामिल हुए। विधायक ने चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों से विकसित भारत की संकल्पना को लेकर संवाद किया। विद्यार्थियों ने चर्चा के दौरान शिक्षा, युवाओं की भागीदारी, आत्मनिर्भरता और तकनीकी ज्ञान को विकसित



भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया। कार्यक्रम में अभिभावकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी रही। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया जिला प्रशासन और जनजातीय कार्य विभाग के

मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यालय स्तर पर आगे भी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। अभियान के माध्यम से विद्यालयों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

